

— समन् *anweisen*: तद्वर्गयत्परः कृत्ति युक्त्वा पद्धियुरुं क्रियते शामित्यभ्यैवैनत्तिनियमीत्यप्य समनुदिश्ति Ait. Br. 2, 7.

— अथ 1) *Jmd Etwas anweisen, zuweisen*: क्रत्यर्थमपादिश्यान्यदै Kāt. Chr. 7, 2, 7. — 2) *Etwas anzeigen, angeben*: अपदिश्यापदेश्यम् M. 8, 54. अपदिश्यत्वलभ्यमा KATH. 26, 92. *Jmd anzeigen, angeben* Daçak. in BENF. Chr. 193, 4. — 3) *fälschlich angeben, vorgeben, vorschützen*: मित्रकृत्यमपदिश्य RAGH. 19, 31. 32. 54. शिरःप्रूलस्पर्शमपादिश्यन् Daçak. in BENF. Chr. 190, 19. अमुनैतदस्मयं दत्तमित्यपदिश्य 193, 11. — Vgl. अपदेश u. s. w.

— अथ 1) *darstellen, bezeichnen, nennen* Çat. Br. 14, 6, 5, 1. इति तदुक्तिवेत्त व्यपदिश्यते KUMĀRILA bei MÜLLER, SL. 329. भातरं राजागानं मकेश्वरावं प्रभुम्। धनेश्वरं व्यपदिश्यन् MBh. 3, 16189. R. 3, 34, 24. कुलं व्यपदिश्यन् शायम् 33, 22. 5, 59, 3. 6, 100, 20. मित्रं च मां व्यपदिश्यपरं च यासि Mṛkku. 62, 11. येनदेव वर्षे भारतमिति व्यपदिश्यति BHĀG. P. 5, 4, 9. 7, 3, 17, 11. PAT. zu P. 4, 2, 49 (ed. Calc.). ईश्वरं इति व्यपदिश्यते VEDĀNTAS. (Allab.) No. 23. Schol. zu KAP. 1, 151. तेन पुरुषो वध्यते पुरुषो मुच्यते व्यपदिश्यते (*diese Ausdrucksweise wird gebraucht*) येन संसारित्वं न विद्यते GAUDAP. zu SĀMKHJAK. 62. KULL. zu M. 1, 36. 49. 3, 175. 5, 15, 9, 33, 173. Daçak. in BENF. Chr. 193, 9. — 2) *fälschlich bezeichnen, vorgeben, vorschützen*: स्वगामयदं तस्य व्यपदिश्याविद्वरतः R. 1, 9, 41 (GORR. 40). निमित्तं श्रीतं तदा। व्यपदिश्य महर्षेवं शेषं व्यवरोहत MBu. 13, 1458. — Vgl. व्यपदेश.

— अभि *hinweisen auf*: यो याम्यदिश्यत् सैनमकामयत PĀNKAT. Br. 12, 11.

— अव *erweisen*: अव प्रिया दिदिष्ट्वा R.V. 10, 132, 6. — intens. *Jmd (acc.) berichten*: सत्यमिवा मदेन्द्रियं पृथ्यवदेदिश्यम् R.V. 8, 63, 15.

— व्यव *s. व्यवदेश*.

— समव *hinweisen, in Bezug auf Etwas erklären*: रुद्रं वै देवा यज्ञाविभवंस्ते समवादिश्यन् एष ते मातरि भाग इति Kāt. 28, 6.

— आ 1) *zielen auf, es auf Jmd abgesehen haben*: आस्मिन्पिशङ्गमिन्दवो दधीता वेनमादिश्ये (dat. infin.) R.V. 9, 21, 5. दधीता केतनादिश्ये 6. शक्तिमायसीम्। चिनेपार्जुनमादिश्य MBu. 7, 1234. ततस्तदिकुतं सैन्यम्—शादिश्यादिश्य नारचीराजघान 3, 15730. शादिश्यादिश्य तेजस्वी शिरास्येण व्यापतयत् 14, 2493. — 2) *Jmd Etwas anweisen, zuweisen*: सा नो भूमिरा दिशतु यद्दनं कामपामहे AV. 12, 1, 40. किमन्यस्यै देवताया शादिश्यत् Çat. Br. 1, 6, 2, 7. शादिष्टं वा एतदेवतायै कृत्यर्थवति 1, 1, 4, 24. कृत्यर्थीराणामादिश्यहत्तियां दिश्यम् R. 4, 41, 7. 9. शादित् — सिंहासनं तस्य BHĀT. 3, 3. न्यस्तद्वय औंकारं विकारमनु मूर्धनि। यक्तारं तु भुवोर्यथो णकारं शिखायादिश्यत् (man hätte den dat. erwartet) BHĀG. P. 6, 8, 7. — 3) *Etwas anzeigen, mittheilen, verkünden, lehren*: इत्युपगमादिष्टं भवति KBĀND. UP. 3, 18, 1. यो नो ऽनेकामदान्धानां विद्येण चनुरादिश्यत् BHĀG. P. 8, 22, 5. गीतवादित्रनृत्यानि भूय एवादिश्य हृ MBu. 3, 1796. न चास्य व्रतमादिश्यत् M. 4, 80, 81. परेषां धर्ममादिश्यन् MBu. 3, 5984. नूनं तु बलवांलोके कृतातः सर्वमादिश्यत् R. 2, 24, 5. जनो जनस्यादिश्ये ऽस्तो मतिम् BHĀG. P. 8, 24, 51. कुद्धिमादिश्य RAGH. 12, 68. अप्रुग्निमितोत्पत्ती शास्त्रज्ञः शास्त्रिमादिश्यत् VĀRĀH. BH. S. 48, 8. 3, 55. 96. 12, 16. 17, 1. 28, 5. 49, 10. 52, 110. LAGHŪ. 3, 6. SŪRJAS. 4, 16. 6, 19. — 4) *bestimmen, bezeichnen, benennen*: यद्युभिचरेदादिश्यत् Çat. Br. 3, 3, 2, 8. तस्य नामादिश्यत् 5, 2, 4, 20. ÇĀNKA. Ça. 4, 4, 7. 8, 11, 6. प्रिये राजानमादिश्यत् LĀT. 1, 10, 21. ये न माता पिता धाता सुकृदशादिश्यति क्लि BHĀG. P. 8, 22, 4. फलेन पालमादिश्यत् VET. 2, 15.

पञ्च नादेद्यामः *besonders erwähnen* LĀT. 8, 8, 29. प्रतिपिद्धमनादिश्यम् JĀG. 2, 260. 3, 306. 327. SUÇA. 2, 354, 15. शादिश्या दक्षिणा Çat. Br. 11, 1, 5, 11. देवता Ait. Br. 2, 16. von *Jmd (acc.) aussagen, vorhersagen* MĀLAV. 69, 14, v. l. (vgl. u. व्या 5.). — ३) *die Weisung geben, vorschreiben, anbefehlen*: शादिश्यति शाचार्याधीनो भव (इति) GOBH. 3, 1, 12. ब्रह्मचर्यम् ĀCV. GHĀJ. 1, 22. शाचार्यिकम् SUÇR. 1, 18, 1. तेषामप्येतदादिश्यत् M. 11, 192. शादिश्यत्वं यथासंदेशमिष्टवत् R. 2, 82, 22. तस्य — दण्डमादेष्टुमहीमि 5, 38, 19. तदानयनमादिश्यत् KATH. 4, 76. भूमे: पर्यटनम् — रोहितायादिश्यचक्रः BHĀG. P. 9, 7, 17. शादिश्यादस्याभिगमं वनाय BHĀT. 3, 9, 7, 28. पदादिश्यति भगवती MĀLAV. 16, 13. HIT. 40, 9. शीघ्रं मे यानमादिश्य bestelle mir schnell den Wagen MBu. 3, 2714. — 6) *Jmd anweisen, einen Befehl geben, abordnen*: इत्यादिश्य माम् R. GORR. 2, 58, 33. 6, 19, 74. अन्वेषणे ऽनिरुद्धस्य चरानादिश्य माचिरम् HARIV. 10313. पुरुषांशादिश्यं प्राज्ञान्कन्यावृतात्कर्मणि MBu. 5, 7340. श्रमात्युप्रांत्स्तत शादिश्ययुधि R. 5, 39, 33. म तस्य परिर्चायां राजा कुतीं निजां सुताम्। शादिश्य KATH. 16, 37. शादिश्यत्वा शर्वाद्वरमिश्रा: शकुतलानयनाय ÇA. 48, 21. 7, 15, v. l. वेलापलनाणायमादिश्ये ऽस्मि काश्यपेन 46, 6. अचेषु वानरान्सर्वानादिश्य दिशो दृश R. 5, 32, 21. DHŪRTAS. 67, 13. यत्तारमादिश्य धुर्यान्विश्रामयेति सः RAGH. 1, 54, 2, 65. MBu. 3, 2184. R. 2, 27, 5. 66, 14. PĀNKAT. 33, 25. HIT. 10, 21. KATH. 7, 55. PRAB. 19, 4, 78, 9. Daçak. in BENF. Chr. 183, 9, 196, 1. विन्द्यादृष्ट्यां पिण्डाचं तमादिश्यनेयरः *verwies ihn in den Vindhja-Wald* KATH. 2, 19. — 7) *reizen, herausfordern*: यो नः सुरुसिनो दुःशास्त शादिश्यति AV. 6, 6, 2. R.V. 9, 52, 4. 10, 133, 4. 134, 2. aufrufen, auffordern: य एतनामादिश्यति करम्पादिति पूषणम्। न तेन देव शादिश्ये 6, 36, 1. (न वं) श्रूयमाणं न मन्त्रं सूक्रोक्तं विज्ञु न स्तुष्य शादिश्ये 48, 14. — 8) *sich Etwas vorschreiben, sich unterscheiden*: चेरित्वमहत्वापि वातार्य चेत्समागतः। दिगुणं सवनस्ये तु ब्राह्मणे व्रतमादिश्यत् JĀG. 3, 252. ततो वैवानसं मार्गमस्याय सहूलहमणः। त्रतमादिश्यवात्रामः R. 2, 52, 65. शादिश्य तवेत्युक्ता दीतीं तद्वरेव तु R. GORR. 1, 32, 23. — 9) *versuchen, erproben*: ब्रह्मात्वमादिश्यम् MBu. 3, 11968. — Vgl. अनादिष्ट, शादिप्र., शादिष्ट, शादेश u. s. w. — caus. *Jmd anzeigen, angeben*: श्वायरुदिरामपि। शोदिश्यो धर्मपै: पुनः संस्कारमहति MBu. 12, 1227. zeigen, anweisen (den Weg): शधिकरणमएउपस्य मार्गमादेश्य Mṛkku. 138, 4. ÇA. 32, 4. 61, 15. 72, 12. MĀLAV. 29, 8. तदोदेशितपन्थ्यानो MBu. 12, 13147. शोदिश्यत = शादिष्ट MAD. 1, 33. — intens. *erproben, in Anwendung bringen* (?): वृषा प्रुष्मेण वाधते विड्मतोरुदेशानः शर्पृष्टे प्रुष्मृष्टः R.V. 9, 70, 5. — अन्वा *wieder erwähnen, — nennen; partic. अन्वादिष्ट* P. 6, 2, 190. — Vgl. अन्वादेश.

— अन्या *auf Jmd zielen, es auf Jmd abgesehen haben*: (अमित्रान्) अभिषेण्ण अन्यादेशितपन्थ्याच इन्द्रं प्र मृण ब्रह्मी च R.V. 6, 44, 17. — उपा 1) *anweisen, zuweisen*: (Drupada spricht zu Juddishthira) भवान्या विधिवत्पाणिं गृह्णातु डृक्ष्टुर्मम्। यस्य वा मन्यसे वीरं तस्य कृष्णान्यादिश्य MBu. 1, 7239. — 2) *anzeigen, mittheilen, verkünden*: इति राज्ञ उपदिश्य विप्रा ज्ञातकोविदी: BHĀG. P. 1, 12, 29. — 3) *Etwas vorschreiben oder Jmd anweisen, einen Befehl ertheilen*: तपस्युपदिष्ट (kann loc. und nom. m. sein) इवाद्ये मनः BHĀG. P. 2, 9, 7. — निरा; partic. निरादिष्ट ausbezahlt M. 8, 162. — प्रत्या 1) *eine Anweisung geben, vorschreiben, anempfehlen*: प्र-